No. of Printed Pages : 14 **MTT–031**

POST GRADUATE CERTIFICATE IN TRANSLATION AND ADAPTATION (PGCAR)

Term-End Examination

December, 2025

MTT-031 : VARIOUS DIMENSIONS OF TRANSLATION AND ADAPTATION

Time : 3 Hours *Maximum Marks : 100*

Note : *Attempt any **three** questions from Question Nos. **1** to **6**. Question Nos. **7** and **8** are compulsory. Answer long answered questions in about **700** words and short notes in about **350** words each. All questions carry equal marks (20 marks each).*

---

1. Illuminate various areas of translation.
2. Discuss cultural turn in translation.
3. Elucidate the emerging issues in the area of translation.

Downloaded from www.IGNOUBABA.com

4. Describe the significance and need of Adaptation.

5. Discuss adaptation as a form of Inter-medial translation.

6. Write a detailed note on the role of Copyright Act in translation and adaptation.

7. Write short notes on any *two* of the following :

   (a) Broad perspective of Translation

   (b) Recreation

   (c) Theory of resistance in Translation

   (d) Translation of idioms and phrases

8. (a) Translate any *one* of the following passages into Hindi :

   (i) The clock struck nine o'clock. Fortunately it was a quarter of an hour fast. Bob leaped to his feet. He'd be late for school if he wasn't careful. Bother the breakfast things ! Let them stay there unwashed. He couldn't bear this house one moment more without

Downloaded from www.IGNOUBABA.com

his mother. He rushed to get his cap and coat and sandwiches. He went out of the back door and shut it unlocked it behind him. He put the key into his pocket and ran down the path. He didn't look back at the horrid empty house. He was difficult and awkward that day at school. He was either rude or had fits of showing off. Miss Roland looked at him in surprise. Now what was the matter ? Bob had brains, he could work well, he was a good tempered fellow on the whole.... and yet he had these strange moody attacks when his whole nature seemed to alter.

(ii) This is the story of a soldier who lived and died for the country. Jadunath Singh was born on 21st November, 1916 in Khajuri, a small

Downloaded from www.IGNOUBABA.com

village in Uttar Pradesh. His parents, Birbal Singh Rathore and Jamuna Kanwar, were poor farmers. They had a large family of eight children. Jadunath passed out from the village school after completing class 4. He was good at wrestling and physical activities. As a young boy, Jadunath was active, religious and disciplined. At the age of 25 years, he joined the Rajput Regiment at Fatehgarh. After completing his training, he was posted at first Battalion of the Rajput Regiment. His senior officers observed in him the sparks of leadership and courage. He fought in World War II. On his return, Jadunath was promoted to the rank of Naik, and he was given the command of a section of troops.

Downloaded from www.IGNOUBABA.com

(b) Translate any *one* of the following given passages into English :

(i) इस कस्बे को शहर ही कहेंगे, कस्बा नहीं। आस-पास के गाँव वाले इसे बाजार कहते हैं और मामा की लड़कियाँ बड़े ही तंज स्वर में हमें शहर वाली कहतीं। शहर में गणेश जी दुर्गा जी की झाँकी लगतीं। दुर्गा जी की झाँकी बिजलीघर वाले भी जय स्तम्भी चौराहे पर लगते। झाँकी के आखिरी दिन वे ऑर्केस्ट्रा बुलाते, उस रात सारा शहर जागता रहता। बच्चे, बड़े-बूढ़े, सब। लड़कियाँ और औरतें सारी रात छतों पर बैठकर ऑर्केस्ट्रा देखती-सुनतीं, लेकिन सिर्फ वही जिनके घर बिजलीघर के आसपास थे। ऐसे समय सब उन्हें किस्मतवाला समझते। बच्चे आदमियों के साथ ऑर्केस्ट्रा में खूब धमा-चौकड़ी मचाते।

छोटे मामा एकदम पड़ोस में रहते थे। उन्होंने कुछ भैंसें पाल रखी थीं। उस साल झाँकी के आखिरी दिन मैं उनके साथ ऑर्केस्ट्रा का मज़ा लेते हुए

Downloaded from www.IGNOUBABA.com

सड़कों पर घूम रही थी। चाय की दुकानें खुली हुई थीं। रात के दो–तीन बजे होंगे, मामा और उनके दोस्तों के साथ मैं भी चाय की दुकान पर चाय पीने गई।

(ii) दूसरे दिन तड़के उठकर ओलेंका ने घर की सफाई शुरू कर दी। घर की पुताई होने लगी। ओलेंका बड़ी उमंग से चारों ओर घूमकर देखभाल कर रही थी। थोड़ी देर में स्मिरनॉव, उसकी पत्नी और लड़का भी आ गए। स्मिरनॉव की पत्नी एक लम्बी और दुबली स्त्री थी। स्मिरनॉव का बेटा साशा अपनी उम्र के हिसाब से बहुत नाटा था। वह बड़ा बातूनी और शरारती था। "मौसी, यह तुम्हारी बिल्ली है ?" उसने बड़े कौतूहल से पूछा, "अच्छा मौसी, यह हमें दे दोगी? अम्मा चूहों से बड़ा डरती है।" कहकर वह बड़े जोरों से हँसने लगा।

ओलेंका को साशा बहुत पसंद आया। उसने उसे अपने हाथ से चाय पिलाई और फिर घुमाने ले

Downloaded from www.IGNOUBABA.com

गई। शाम को साशा अपना सबक याद करने बैठा । ओलेंका भी उसके पास जाकर बैठ गई और धीरे से बोली, “बेटा, तुम बहुत होशियार हो, और बहुत प्यारे!” साशा ओलेंका की बात की कुछ भी परवाह न कर अपनी ही धुन में कह रहा था, “द्वीप पत्थर के उस टुकड़े को कहते हैं न, जो चारों ओर पानी से घिरा रहता है!”

Downloaded from www.IGNOUBABA.com

MTT–031

अनुवाद एवं रूपांतरण में स्नातकोत्तर प्रमाण-पत्र

(पी. जी. सी. ए. आर.)

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2025

एम.टी.टी.-031 : अनुवाद एवं रूपांतरण के विविध आयाम

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *प्रश्न संख्या **1** से **6** तक किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रश्न संख्या **7** व **8** अनिवार्य हैं। दीर्घ उत्तरीय प्रश्नों का उत्तर लगभग **700** शब्दों में तथा प्रत्येक संक्षिप्त टिप्पणी **350** शब्दों में दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं (प्रत्येक 20 अंक)।*

1. अनुवाद के विभिन्न क्षेत्रों पर प्रकाश डालिए।
2. अनुवाद में आए सांस्कृतिक मोड़ की चर्चा कीजिए।
3. अनुवाद के क्षेत्र में उभरते मुद्दों को स्पष्ट कीजिए।
4. रूपांतरण के महत्व एवं आवश्यकता का वर्णन कीजिए।

Downloaded from www.IGNOUBABA.com

5. अंतरमाध्यम अनुवाद के एक प्रकार के रूप में रूपांतरण की चर्चा कीजिए।

6. अनुवाद और रूपांतरण में प्रतिलिप्यधिकार अधिनियम की भूमिका पर विस्तृत लेख लिखिए।

7. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए :

(क) अनुवाद का व्यापक संदर्भ

(ख) पुनर्सृजन

(ग) अनुवाद में प्रतिरोध का सिद्धांत

(घ) मुहावरों व लोकोक्तियों का अनुवाद

8. (क) निम्नलिखित में से किसी **एक** अनुच्छेद का हिंदी में अनुवाद कीजिए :

(i) The clock struck nine o'clock. Fortunately it was a quarter of an hour fast. Bob leaped to his feet. He'd be late for school if he wasn't careful. Bother the breakfast things ! Let them stay there unwashed. He couldn't bear this house one moment more without

Downloaded from www.IGNOUBABA.com

his mother. He rushed to get his cap and coat and sandwiches. He went out of the back door and shut it unlocked it behind him. He put the key into his pocket and ran down the path. He didn't look back at the horrid empty house. He was difficult and awkward that day at school. He was either rude or had fits of showing off. Miss Roland looked at him in surprise. Now what was the matter ? Bob had brains, he could work well, he was a good tempered fellow on the whole.... and yet he had these strange moody attacks when his whole nature seemed to alter.

(ii) This is the story of a soldier who lived and died for the country. Jadunath Singh was born on 21st November, 1916 in Khajuri, a small village in Uttar Pradesh. His

Downloaded from www.IGNOUBABA.com

parents, Birbal Singh Rathore and Jamuna Kanwar, were poor farmers. They had a large family of eight children. Jadunath passed out from the village school after completing class 4. He was good at wrestling and physical activities. As a young boy, Jadunath was active, religious and disciplined. At the age of 25 years, he joined the Rajput Regiment at Fatehgarh. After completing his training, he was posted at first Battalion of the Rajput Regiment. His senior officers observed in him the sparks of leadership and courage. He fought in World War II. On his return, Jadunath was promoted to the rank of Naik, and he was given the command of a section of troops.

Downloaded from www.IGNOUBABA.com

(ख) निम्नलिखित में से किसी **एक** अनुच्छेद का अंग्रेजी में अनुवाद कीजिए :

(i) इस कस्बे को शहर ही कहेंगे, कस्बा नहीं। आस–पास के गाँव वाले इसे बाजार कहते हैं और मामा की लड़कियाँ बड़े ही तंज स्वर में हमें शहर वाली कहतीं। शहर में गणेश जी दुर्गा जी की झाँकी लगतीं। दुर्गा जी की झाँकी बिजलीघर वाले भी जय स्तम्भी चौराहे पर लगते। झाँकी के आखिरी दिन वे ऑर्केस्ट्रा बुलाते, उस रात सारा शहर जागता रहता। बच्चे, बड़े–बूढ़े, सब। लड़कियाँ और औरतें सारी रात छतों पर बैठकर ऑर्केस्ट्रा देखती–सुनतीं, लेकिन सिर्फ वही जिनके घर बिजलीघर के आसपास थे। ऐसे समय सब उन्हें किस्मतवाला समझते। बच्चे आदमियों के साथ ऑर्केस्ट्रा में खूब धमा–चौकड़ी मचाते।

Downloaded from www.IGNOUBABA.com

छोटे मामा एकदम पड़ोस में रहते थे। उन्होंने कुछ भैंसें पाल रखी थीं। उस साल झाँकी के आखिरी दिन मैं उनके साथ ऑर्केस्ट्रा का मज़ा लेते हुए सड़कों पर घूम रही थी। चाय की दुकानें खुली हुई थीं। रात के दो-तीन बजे होंगे, मामा और उनके दोस्तों के साथ मैं भी चाय की दुकान पर चाय पीने गई।

(ii) दूसरे दिन तड़के उठकर ओलेंका ने घर की सफाई शुरू कर दी। घर की पुताई होने लगी। ओलेंका बड़ी उमंग से चारों ओर घूमकर देखभाल कर रही थी। थोड़ी देर में स्मिरनॉव, उसकी पत्नी और लड़का भी आ गए। स्मिरनॉव की पत्नी एक लम्बी और दुबली स्त्री थी। स्मिरनॉव का बेटा साशा अपनी उम्र के हिसाब से बहुत नाटा था। वह बड़ा बातूनी और शरारती था। "मौसी, यह तुम्हारी बिल्ली है ?" उसने बड़े कौतूहल से पूछा, "अच्छा मौसी, यह हमें दे

Downloaded from www.IGNOUBABA.com

दोगी? अम्मा चूहों से बड़ा डरती है।" कहकर वह बड़े जोरों से हँसने लगा।

ओलेंका को साशा बहुत पसंद आया। उसने उसे अपने हाथ से चाय पिलाई और फिर घुमाने ले गई। शाम को साशा अपना सबक याद करने बैठा । ओलेंका भी उसके पास जाकर बैठ गई और धीरे से बोली, "बेटा, तुम बहुत होशियार हो, और बहुत प्यारे!" साशा ओलेंका की बात की कुछ भी परवाह न कर अपनी ही धुन में कह रहा था, "द्वीप पत्थर के उस टुकड़े को कहते हैं न, जो चारों ओर पानी से घिरा रहता है!"

× × × × ×

Downloaded from www.IGNOUBABA.com